MP Metro News
05.04.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
01	पत्रिका	भोपाल	05.04.2024	03	113 मीटर लंबे ओवरब्रिज को जमीन से 15 मीटर ऊंचाई पर बनाया जाएगा	Neutral

MY CITY माय सिटी 03 पत्रिका
भोपाल, शुक्रवार, 05 अप्रेल 2024

#Metroproject मेट्रो लाइन के लिए अलवर से 432 भागों में आई गार्डर

113 मीटर लंबे ओवरब्रिज को जमीन से 15 मीटर ऊंचाई पर बनाया जाएगा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन को गणेश मंदिर के सामने रेलवे लाइन और रोड से गुजारने के लिए ओवरब्रिज की तैयारी तेज हो गई है। यहां 113 मीटर लंबे ओवरब्रिज को जमीन से 15 मीटर ऊंचाई पर बनाया जाएगा।

लोहे के 32 खंभे किए खड़े

ओवरब्रिज के लिए लोहे के 32 खंभे खड़े किए गए हैं। अलवर से गर्डर को 432 भागों में भोपाल लाया गया है। इनकी खंभों पर ही असेंबलिंग होगी। कम से कम 40 दिन का समय लगेगा। इसकी असेंबलिंग होने के बाद रेलवे लाइन के ऊपर इसे खंभों पर ही खिसकाते हुए लाया जाएगा और स्थाई पिलर्स पर रख दिया जाएगा। इस दौरान रेलवे से दो घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। इसे लेकर डायवर्सन भी जारी हो चुका है।

मेट्रो लाइन के लिए गणेश मंदिर के सामने बनाया जा रहा ओवरब्रिज।

ब्रिज बनेगा तो एम्स की ओर बढ़ेगी मेट्रो

ओवरब्रिज के बाद मेट्रो लाइन को एम्स की ओर निकाल दिया जाएगा। गौरतलब है कि गर्डर की असेंबलिंग के लिए 28 फरवरी से वीर सावरकर ब्रिज से सांची दुग्ध संघ के बीच का हिस्सा बंद किया गया है। इसे एक माह से अधिक समय हो गया। कम से कम तीन माह के लिए ये बंद रहेगा।

मेट्रो ट्रेन का काम तय समय से चल रहा है। इसे हम बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करेंगे। आरओबी का काम तेजी से किया जा रहा है।

सीबी चक्रवर्ती,
एमडी, मेट्रो रेल कारपोरेशन

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट

- 6.22 किमी लंबाई की प्रायोरिटी कॉरिडोर शुरू करने की कोशिश
- 04 किमी लंबाई में रानी कमलापति से सुभाषब्रिज के हिस्से में ट्रायल हो गया
- 2.22 किमी का हिस्सा रानी कमलापति से एम्स के बीच, इसमें ही मेट्रो रेल-रोड ओवरब्रिज बनाया जा रहा
- 14 किमी लंबाई का ही पहला कॉरिडोर, इसमें करोद तक है मेट्रो लाइन
- 6672 करोड़ रुपए का बजट है पहली दो लाइन के लिए

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	दैनिक भास्कर	भोपाल	09 .04.2024	01	भविष्य का भोपाल.. मेट्रो के तीसरे रूट की तैयारी, एयरपोर्ट चौराहा से बंजारी चौक तक 16.70 किमी का नया ट्रैक बनेगा	Positive

दैनिक भास्कर भोपाल 09-04-2024 Pg-01

भास्कर एक्सक्लूसिव • 16 अलग-अलग सर्वे के बाद कॉम्प्रहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार; जहां ज्यादा ट्रैफिक, वहां मेट्रो चलाएंगे

भविष्य का भोपाल... मेट्रो के तीसरे रूट की तैयारी, एयरपोर्ट चौराहा से बंजारी चौक तक 16.70 किमी का नया ट्रैक बनेगा

...क्योंकि कोलार, नर्मदापुरम रोड से रोज सर्वाधिक 40-40 हजार वाहन आते हैं

विशाल त्रिपाठी | भोपाल

एम्स से करोंद चौराहा और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच भोपाल मेट्रो के दो ट्रैक पर चल रहे निर्माणकार्य के बीच तीसरे रूट पर भी प्लानिंग शुरू हो गई है। तीसरा रूट एयरपोर्ट चौराहा से बंजारी चौक (कोलार रोड) तक 16.70 किमी का बनेगा। कॉम्प्रहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएमपी) बनाने के बाद तैयारी की जा रही है।

करीब डेढ़ साल तक 16 अलग-अलग सर्वे करने के बाद सीएमपी तैयार हुआ है। इसमें पाया गया कि अच्छी कनेक्टिविटी न होने के कारण सिर्फ 8-9% लोग ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करते हैं। सर्वाधिक ट्रैफिक यानी करीब 40-40 हजार वाहन रोज नर्मदापुरम रोड व कोलार रोड से शहर में आते हैं। इसलिए एयरपोर्ट चौराहा से बंजारी चौक तक मेट्रो की प्लानिंग की गई है। शेष | पेज 11 पर

5000 घरों में सर्वे

- 41% लोग दो या चार पहिया से शहर में सफर करते हैं।
- 37% लोग पैदल चलते हैं
- 9% ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं
- 46% नौकरीपेशा रोज सफर करते हैं
- 21% शिक्षा के लिए सफर करते हैं।

अभी मेट्रो के स्टेशन और रूट फाइनल नहीं हुए हैं, इसलिए यह ग्राफिक सिर्फ समझाने के लिए है।

तीसरे ट्रैक के लिए अभी राज्य और केंद्र सरकार की मंजूरी बाकी

मेट्रो जरूरी... क्योंकि 2042 तक 1700 बसों की जरूरत होगी

कॉम्प्रहेंसिव मोबिलिटी प्लान-2042 तक की जनसंख्या की जरूरत के हिसाब से बनाया गया है। यदि पब्लिक ट्रांसपोर्ट की मौजूदा व्यवस्था को ही आगे बढ़ाया गया तो 2042 तक शहर को 1700 बसों की जरूरत होगी। ऐसा करने से शहर में चलने तक की जगह नहीं बचेगी, इसलिए कंपनी ने चार हाई डिमांड कॉरिडोर प्रस्तावित किए हैं। पहले चरण में एयरपोर्ट चौराहा से बंजारी चौक के बीच मेट्रो का तीसरा ट्रैक बिछाने पर सहमति बनी है।

सबसे ज्यादा भीड़ : लालघाटी चौराहा, रेतघाट चौराहा, कोलार तिराहा पर

भोपाल और इसके आसपास ग्रामीण क्षेत्र में बनी 1061 वर्ग किमी लंबी सड़कों का सर्वे किया गया। इसमें 8 लोकेशन शहर के अंदर (इनर) और 8 शहर के बाहर हैं। शहर के अंदर 10 बड़े जंक्शन जैसे लालघाटी चौराहा, डीआईजी बंगला चौराहा, ताजमहल पैलेस चौराहा, छोला रोड से 80 फीट रोड का जंक्शन पॉइंट, रेतघाट चौराहा, आदि को चिह्नित कर वहां के ट्रैफिक को समझा गया। सबसे ज्यादा भीड़ लालघाटी चौराहा, रेतघाट चौराहा, कोलार तिराहा और जहांगीराबाद चौराहा पर मिली।

यह भविष्य की ट्रांसपोर्ट प्लानिंग

शहर के भविष्य के यातायात योजना के लिए प्लान बनवाया है। अलग-अलग तरह के सर्वे के आधार पर कंपनी ने अपना प्रेजेंटेशन दिया है। इसमें मेट्रो के तीसरे ट्रैक की अनुशंसा की गई है। **-सीबी चक्रवर्ती**, एमडी मेट्रो रेल कंपनी

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Dainik Bhaskar	Bhopal	11.04.2024	02	मेट्रो का सिक्योरिटी सिस्टम: एआई से पता करें कब, कहाँ कितनी भीड़... उसी हिसाब से स्टेशनों पर तैनात होगा फ़ोर्स	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 11-04-2024 Pg-02

भास्कर खास • सिस्टम और सर्वर सुरक्षा सीआईएसएफ के पास होगी, क्राउड कंट्रोल की जिम्मेदारी स्टेट पुलिस की

मेट्रो का सिक्युरिटी सिस्टम : एआई से पता करेंगे कब, कहां, कितनी भीड़... उसी हिसाब से स्टेशनों पर तैनात होगी फोर्स

विशेष संवाददाता | भोपाल

सीसीटीवी कैमरों की फीड से करेंगे एनालिसिस, सिक्युरिटी का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजने की तैयारी

भोपाल-इंदौर मेट्रो रेल कंपनी ने अपने लिए पुख्ता सिक्युरिटी सिस्टम तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है। दिल्ली-मुंबई समेत अन्य मेट्रो कंपनियों की तर्ज पर भोपाल-इंदौर में भी सीआईएसएफ, स्टेट पुलिस और निजी सुरक्षा एजेंसियों की सेवाएं ली जाएंगी। इसी साल सितंबर में भोपाल का प्रायोरिटी कॉरिडोर शुरू करने की योजना है। ये कॉरिडोर शुरू होने के बाद मेट्रो स्टेशन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल कर क्राउड ट्रेंड परखा जाएगा। यानी सीसीटीवी कैमरों की मदद से ये पता चला जाएगा कि किस तरह की भीड़, किस समय में और कितनी संख्या में मेट्रो स्टेशन या ट्रेन में सफर कर रही है। इसमें भीड़ का विश्लेषण बुजुर्ग, बच्चे, महिलाएं, स्टूडेंट्स, दंपती की संख्या के आधार पर किया जाएगा। इसके बाद ही सुरक्षा के लिए जरूरी बल तैनात किया जाएगा।

दिल्ली-मुंबई के अनुसार होगी व्यवस्था

मेट्रो रेल कंपनी इस बारे में प्रस्ताव तैयार कर मप्र गृह विभाग को भेज रही है। यहां से स्टेट पुलिस, सुरक्षा एजेंसी समेत जरूरी प्रक्रिया पूरी की जाएंगी। एमडी मेट्रो रेल कंपनी सीबी चक्रवर्ती के मुताबिक मेट्रो रेल व परिसर की सुरक्षा दिल्ली-मुंबई में लागू व्यवस्था के अनुसार ही की जाएगी।

मेट्रो सुरक्षा की जिम्मेदारी शासन की

साल 2019 में बनी मेट्रो रेल कंपनी में मप्र और केंद्र सरकार का हिस्सा 50-50% है। दोनों सरकारों के बीच हुए करार के तहत मप्र में मेट्रो रेल, परिसर और तकनीकी उपकरणों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकार की ही है।

एंट्री-एग्जिट और ट्रेन में प्रवेश की व्यवस्था निजी एजेंसी को देंगे... मेट्रो के एडवांस कंट्रोल रूम, सर्वर रूम और अन्य तकनीकी उपकरणों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी जाएगी। स्टेशन और उसके बाहर क्राउड कंट्रोल के लिए स्टेट पुलिस की सेवाएं ली जाएंगी। स्टेशन पर एंट्री-एग्जिट और प्लेटफॉर्म पर ट्रेन आने के दौरान भीड़ को एक लाइन में खड़ा कराने की जिम्मेदारी निजी सुरक्षा एजेंसी को दी जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	Nav Duniya	Bhopal	11.04.2024	03	मेट्रो के दूसरे चरण का काम जून माह से होगा शुरू	Neutral

नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024
3 गुरुवार सूर्यास्त 06.39 सूर्योदय 06.04 शुक्रवार

भोपाल सिटी

मेट्रो के दूसरे चरण का काम जून माह से होगा शुरू

राजधानी में मेट्रो स्टेशन और लाइन बिछाने का काम तेजी से किया जा रहा है। ● नवदुनिया

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो रेल लाइन के दूसरे चरण का काम जून से शुरू होने की उम्मीद है। इसका प्लान पूरी तरह से बनकर तैयार है। मेट्रो की आरेंज लाइन यानी एम्स से करोंद तक 14.99 किमी लंबी है। इसमें सुभाष नगर से करोंद के बीच 8.77 किलोमीटर लाइन को बिछाने में लगभग एक हजार 540 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें 3.39 किलोमीटर लंबा भूमिगत मार्ग रहेगा। इसमें दो स्टेशन भी बनाए जाएंगे।बता दें कि दूसरे चरण को लेकर तैयार किए प्लान को मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती भी देख चुके हैं, वहीं बीते महीने में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने दोनों काम का वर्चुअली भूमिपूजन किया था।

सवा छह किमी का प्रायोरिटी कारिडोर : 14.99 किमी की आरेंज लाइन में सुभाष नगर से एम्स के बीच सवा छह किमी का प्रायोरिटी कारिडोर है। आठ में से पांच स्टेशनों के बीच अक्टूबर 2023 में ट्रायल रन हुआ था। रानी कमलापति, सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी के सामने और एमपी नगर के स्टेशनों का काम 90 फीसद से अधिक पूरा हो चुका है, जबकि एम्स, अलकापुरी और डीआरएम आफिस स्टेशनों का सिविल कार्य पूरा हो चुका है। अब फिनिशिंग से जुड़े काम निपटाए जा रहे हैं। डीआरएम आफिस चौराहे पर स्टील ब्रिज का निर्माण हो रहा है। रेलवे ट्रैक के ऊपर से भी ब्रिज गुजरेगा। इसके लिए रेलवे से ब्लाक मांगा गया है।

दूसरे चरण के दो प्रोजेक्ट

प्रोजेक्ट एक : 650 करोड़ में छह स्टेशन बनेंगे

सुभाष नगर डिपो से करोंद तक के मार्ग में दो चरण में काम पूरा होगा। कुल 8.77 किमी में से 5.38 किलोमीटर के हिस्से में छह एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें 650 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यूआरसी कंस्ट्रक्शन यह काम करेगी। यही कंपनी सुभाष नगर, डीबी माल, एमपी नगर, केंद्रीय स्कूल, आरकेएमपी, अलकापुरी, डीआरएम आफिस और एम्स स्टेशनों का काम भी कर रही है। बता दें कि साढ़े तीन वर्ष में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रोजेक्ट दो : 890 करोड़ रुपये में बनेगा भूमिगत मार्ग

8.77 किलोमीटर के मार्ग में 3.39 किलोमीटर मार्ग भूमिगत होगा। इसमें दो मेट्रो स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन व नादरा बस स्टैंड भी रहेंगे। यह काम अलग कंपनी द्वारा किया जाएगा। यह काम शुरू होने से साढ़े तीन वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मेट्रो की दोनों लाइनों में यह एकमात्र भूमिगत हिस्सा रहेगा। भूमिगत मेट्रो सिंधी कालोनी, ऐशबाग क्रासिंग से होती हुई भोपाल स्टेशन और नादरा बस स्टैंड को स्टेशनों के माध्यम से जोड़ेगी।

MP METRO NEWS
12 APRIL 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	Dainik Bhaskar	Bhopal	12.04.2024	03	मेट्रो में नौकरी लगवाने का झाँसा दे रहे जालसाज़, सावधान रहें	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 12-04-2024 Pg-03

मेट्रो रेल कंपनी का उम्मीदवारों को अलर्ट

मेट्रो में नौकरी लगवाने का झांसा दे रहे जालसाज, सावधान रहें...

विशेष संवाददाता | भोपाल

मप्र मेट्रो में अलग-अलग पदों पर चल रही भर्तियों के बीच कुछ जालसाज भी सक्रिय हो गए हैं। ये जालसाज बेरोजगारों को मप्र मेट्रो में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में अफसरों तक पहुंची शिकायत के बाद मेट्रो रेल कंपनी ने उम्मीदवारों को ऐसे जालसाजों से बचने और सावधान रहने की सलाह दी है।

कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि मप्र मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) ने अपनी ओर से भर्ती के लिए कोई एजेंट या कोचिंग सेंटर नियुक्त नहीं किया है। भर्ती संबंधी सभी सूचनाएं एमपीएमआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाती हैं। इसलिए सलाह दी जाती है कि वे बेईमान व्यक्तियों/एजेंसियों के दावों का शिकार न बनें। प्रामाणिक जानकारी के लिए एमपीएमआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट https://www.mpmetrorail.com/ को फॉलो करें।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	Patrika	Bhopal	12.04.2024	02	छह नहींआठ रूट पर दौड़ेगी मेट्रो सीहोर से नरसिंहगढ़ की लाइनें भी इसमें शामिल	Neutral

#MetroProject पूरे शहर में अब 105 किमी का होगा मेट्रो ट्रेक

छह नहीं, आठ रूट पर दौड़ेगी मेट्रो

सीहोर से नरसिंहगढ़ की लाइनें भी इसमें शामिल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. भोपाल मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट अब छह लाइन की बजाय आठ लाइन से शहर के हर हिस्से में पहुंचेगी। मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन ने पिछले दो सालों में शासन स्तर से मेट्रो लाइन को लेकर हुई घोषणाओं के आधार पर मेट्रो लाइन के रूट्स में बदलाव किए हैं। पहले से तय रूट्स के नाम और अलाइमेंट में भी बदलाव किया गया है। पहले शहर में 98.78 किमी लंबाई में मेट्रो के छह कॉरीडोर प्रस्तावित किए गए थे। दो नई लाइनों के साथ अब पूरे शहर में मेट्रो का ट्रेक 105 किमी करने की प्रक्रिया की जा रही है। चुनाव के बाद कंपनी के नए प्रतिवेदन में इसे शामिल कर दिया जाएगा।

मेट्रो ट्रेन को शहर के हर क्षेत्र में पहुंचाने के लिए प्रयास चल रहे हैं। नई लाइनों पर भी काम तेजी से किया जा रहा है।

सीबी चक्रवर्ती,
एमडी, मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

यहां तक बढ़ेगी मेट्रो

मेट्रो के लिए सीहोर तक नई लाइन प्रस्तावित की जा रही है। अभी भौंरी बायपास तक लाइन नंबर 3 तय है। इसमें बदलाव किया जा रहा है। इसे दो भाग में कर सीहोर तक बढ़ाया जाएगा।

बैरागढ़ से अवधपुरी की लाइन नंबर एक के भी दो भाग तय किए जा रहे हैं। बैरागढ़ होते हुए लाइन को नरसिंहगढ़ तक ले जाया जाएगा ताकि वहां नव विकसित क्षेत्रों को लाभ मिले।

अभी यहां लाइनें तय

- 01 लाइन: बैरागढ़ से अवधपुरी- 24 स्टेशन हैं
- 02 लाइन: करोंद से एम्स 14.99 किमी लंबी। 12.58 किमी एलीवेटेड, 2.49 किमी अंडरग्राउंड है। 30 स्टेशन
- 03 लाइन: भौंरी बायपास से वसंत कुंज। 24 स्टेशन हैं
- 04 लाइन: अशोका गार्डन से मदर टेरेसा स्कूल। 21 स्टेशन।
- 05 लाइन: भदभदा से रत्नागिरी- 12.86 किमी लंबी। 14 स्टेशन
- 04 लाइन: हबीबगंज नाका से मंडीदीप तक। 12 स्टेशन तक

मेट्रो प्रोजेक्टः खास बातें

- 21.65 किमी की लाइन मंजूर
- 6941 करोड़ रुपए की राशि मंजूर
- 6.224 किमी में लाइन का काम जारी
- 77.13 किमी लाइन पर मंजूरी की प्रक्रिया
- 2.20 लाख रोजाना यात्री का दावा 2027 में

5000 करोड़ रुपए की कंपनी

मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन 5000 करोड़ रुपए की कंपनी है। इसे वर्ष 2023 में केंद्र व राज्य सरकार ने अनुदान में कुल 485.56 करोड़ रुपए की राशि दी गई। विदेशी मुद्रा के तौर पर कंपनी ने 2023 में 96.95 करोड़ रुपए का खर्च भी किया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	Patrika	Bhopal	13.04.2024	02	ऐशबाग़ से सिंधी कॉलोनी तक 769 करोड़ से बनें दो सुरंगें	Neutral

पत्रिका
भोपाल, शनिवार 13 अप्रेल 2024

भोपाल मेट्रो की टनल बनाएगी कानपुर मेट्रो की कंपनी

ऐशबाग से सिंधी कालोनी तक 769 करोड़ से बनेंगी दो सुरंगें

भोपाल @ पत्रिका. कानपुर मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में सुरंग का काम करने वाली कंपनी भोपाल में दोहरी सुरंग बनाएगी। ऐशबाग मेट्रो स्टेशन से सिंधी कॉलोनी तक करीब 3.39 किमी लंबी टनल बनेगी। जल्द ही दो टीबीएम यानि टनल बोरिंग मशीनें भोपाल पहुंचेगी। यूरोपियन इन्वेस्ट मेंट बैंक से मंजूर 3584 करोड़ रुपए से सुरंग बनाने में 769 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके पहले सुभाष नगर से करोद के बीच पहली लाइन के दूसरे हिस्से का काम शुरू हो जाएगा।

सुभाष नगर से रैंप: 3.39 किमी पैकेज में आपस में जुड़ी हुई सुरंगे सिंधी कॉलोनी स्टेशन के दक्षिण में एक रैंप से ऐशबाग क्रॉसिंग स्टेशन के पश्चिम में रैंप के साथ जुड़ेगी। यहां से अंडरग्राउंड लाइन भोपाल जंक्शन स्टेशन और नादरा बस स्टेशन के दो भूमिगत स्टेशनों से जुड़ेगी। मेट्रो ट्रेन के 27.87 किमी

लंबी पहली दो लाइन के कॉरीडोर में ये भूमिगत स्टेशन व लाइन रहेगी। यहां 6 हिस्सों में सुरंग रहेगी। यह ऑरेंज लाइन का 5वां और अंतिम सिविल पैकेज है, जो एम्स से सुभाष नगर के वायाडक्ट, एम्स से सुभाष नगर के स्टेशन, सुभाष नगर डिपो के बाद दिया जाएगा।

भदभदा से रत्नागिरी के लिए जल्द तय होगी कंपनी: पहले कॉरीडोर में रत्नागिरी से भदभदा तक 12.915 किमी की लाइन बनेगी। इसके लिए टेक्निकल बिड का काम हो गया है। ये ब्ल्यू लाइन के पैकेज बीएच-05 के नाम से हैं।

MP METRO NEWS
17 APRIL 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Raj Express	Bhopal	17.04.2024	02	सुभाष नगर-करोंद मेट्रो रूट निर्माण शुरू करने की तैयारी एमडी ने की एजें के साथ समीक्षा	Neutral

सुभाष नगर-करोंद मेट्रो रूट निर्माण शुरू करने की तैयारी

एमडी ने की एजेंसी के साथ समीक्षा

भोपाल (आरएनएन)। सुभाष नगर से करोंद चौराहा तक मेट्रो रूट निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी सिबी चक्रवर्ती ने मंगलवार को निर्माण एजेंसी यूआरसी कंस्ट्रक्शन व अन्य के साथ बैठक की। एम्स से करोंद तक मेट्रो का पहला रूट है। यह 13.4 किमी लंबाई में जमीन से ऊपर और 3.4 किमी हिस्सा भूमिगत रहेगा। इस रूट में जमीन के ऊपर 14 और दो अंडरग्राउंड स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। निर्माण की शुरुआत सुभाष नगर से एम्स तक के हिस्से से की गई। इसके कुछ कार्य बाकी हैं और पूरा होने की कगार पर पहुंच चुका है। ऐसे में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने पहले रूट के बाकी हिस्से यानि सुभाष नगर से करोंद चौराहा तक रूट निर्माण के लिए पिछले साल टेंडर जारी किए थे। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले इस कार्य का भूमिपूजन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किया था।

596 करोड़ होगा खर्च : सुभाष नगर से करोंद एलिवेटेड रूट निर्माण का कार्य हैदराबाद की यूआरसी कंस्ट्रक्शन करेगी। कॉर्पोरेशन ने इस कार्य पर 647.47 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया था, लेकिन कंपनी 596.40 करोड़ में यह प्रोजेक्ट कर रही है। यहां बता दे कि यूआरसी कंस्ट्रक्शन के पास एम्स से सुभाष नगर रूट पर आठ स्टेशनों के निर्माण का भी जिम्मा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	Dainik Bhaskar	Bhopal	20.04.2024	2	मेट्रो के सरगम सिनेमा स्टेशन का स्ट्रक्चर तैयार	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 20-04-2024

Pg-02

मेट्रो के सरगम सिनेमा स्टेशन का स्ट्रक्चर तैयार

भोपाल | एमपी नगर में सरगम टॉकीज के पास निर्माणाधीन मेट्रो स्टेशन का स्ट्रक्चर तैयार हो गया है, लेकिन अभी एंट्री-एग्जिट के साथ लिफ्ट और एस्केलेटर व सिग्नलिंग के काम बाकी हैं। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती ने मेट्रो स्टेशन की प्रगति का जायजा लिया। स्टेशन के निर्माण में जुड़े अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन बॉक्स (स्टेशन का बहरी ढांचा) का काम लगभग पूरा हो चुका है और फिनिशिंग वर्क पर काम चल रहा है। सितंबर में एम्स से सुभाष नगर तक के प्रायोरिटी रूट पर मेट्रो का संचालन शुरू करने के लिए इस काम को अगस्त तक पूरा होना जरूरी है। फिलहाल स्टेशन शेड के ऊपर शीट लगाने का काम जारी है, साथ ही एंट्री-एग्जिट का काम चल रहा है। स्टेयर केस का काम पूरा हो चुका है।

MP METRO NEWS
23 APRIL 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Patrika	Bhopal	23.04.2024	02	आरकेएमपी मेट्रो स्टेशन से स्कायवॉक के ज़रिये कनकॉर्स तक जा सकें	Neutral

भोपाल प्राइम BHOPAL PRIME
पत्रिका
भोपाल, मंगलवार, 23 अप्रेल 2024

#Project भोपाल में चल रहे प्रोजेक्ट की केन्द्रीय सचिव ने की समीक्षा

आरकेएमपी मेट्रो स्टेशन से स्काईवॉक के जरिए कॉनकोर्स तक जा सकेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के ठीक सामने बन रहे मेट्रो रेल स्टेशन को स्काईवॉक के जरिए आरकेएमपी से कनेक्टिविटी दी जाएगी। ऐसा करने से मेट्रो स्टेशन से उतरने वाले यात्री बगैर सीढ़ियों से नीचे उतरे स्काईवॉक के जरिए आरकेएमपी के कॉनकोर्स (प्लेटफॉर्म के ऊपरी तल पर) जा सकेंगे। इसे मेट्रो स्टेशन से कनेक्टिविटी देने का काम अगले महीने से शुरू होगा। नई दिल्ली से भोपाल प्रोजेक्ट की समीक्षा करने पहुंचे केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन को मेट्रो कंपनी के अधिकारियों ने यह प्रेजेंटेशन दिखाया। मेट्रो कंपनी का दावा है कि एम्स से सुभाष फाटक डिपो तक का रूट दिसंबर में शुरू हो जाएगा।

एक ट्रेन में 800 यात्री आएंगे

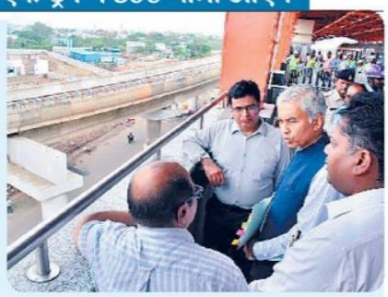

विकास कार्यों का जायजा लेते केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन।

भोपाल मेट्रो तीन कोच के सेट में चलाई जाएगी। प्रत्येक कोच में 200 लोग खड़े हो सकेंगे एवं 50 लोग बैठ सकेंगे। इस प्रकार एक सेट में 750 से 800 यात्री सवार हो सकेंगे। भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए ऐसे पांच सेट सुभाष फाटक मेट्रो डिपो में पहुंच चुके हैं। जैन ने एक सेट में बैठकर यात्रा की। डिपो से यह सेट रानी कमलापति स्टेशन तक चलाकर देखा गया। इस दौरान 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मेट्रो ट्रेन को चलाया गया। हर 10 मिनट में इस रूट पर एक ट्रेन दोनों दिशाओं में चलेगी। पांच ट्रेनों के सेट इस ट्रैक पर दिसंबर से चलना शुरू हो जाएगा।

वॉटर ट्रीटमेंट और एसटीपी का जायजा लिया

जैन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर सप्लाई प्लांट पहुंचे। यहां उन्होंने नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण से शहर के गंदे पानी को साफ करने की प्रक्रि या समझी। इसके अलावा कोलार, नर्मदा, कालियसोत से आने वाले पानी को प्यूरिफाई करने का तरीका पूछा। उन्होंने कहा कि सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाला अपशिष्ट पदार्थ नगर निगम उद्यान शाखा के माध्यम से खाद के रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

झील संरक्षण प्रोजेक्ट भी देखा

सचिव जैन ने नगर निगम के अमृत मिशन के अंतर्गत झील संरक्षण प्रोजेक्ट भी देखे। नाले में तब्दील हो चुकी शिरीन नदी को उन्होंने दोबारा जीवित करने कहा। सीवर ट्रीटमेंट से निकलने वाला अपशिष्ट पदार्थ खाद के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह भी दी।

जब कलेक्टर था तब नदी थी यहां: जैन

सीनियर आईएएस अनुराग जैन सोमवार को सुबह 10 बजे सबसे पहले बड़ा तालाब बैरागढ़ साइट पर मौजूद लाइफ लाइन कहीं जाने वाली शिरीन नदी को देखने पहुंचे। नगर निगम ने इस नदी के उन्नयन पर लाखों रुपए खर्च किए हैं। इसके बावजूद यह आज भी नाले में तब्दील दिखाई देती है। जैन ने कहा कि वह जब भोपाल के कलेक्टर से उसे समय शिरीन नदी कहलाती थी लेकिन आज नाला बन चुकी है।

MP METRO NEWS
25 APRIL 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Haribhoomi	Bhopal	25.04.2024	02	मेट्रो के काम में तेज़ी, अतिरिक्त श्रमिकों को काम पर लगाया	Neutral

केंद्रीय सेकेट्री के भोपाल आने के बाद काम में आई तेजी

मेट्रो के काम में तेजी, अतिरिक्त श्रमिकों को काम पर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हबीबगंज रेलवे क्रासिंग व डीआरएम तक रोड पर बनने वाले मेट्रो के स्टील ब्रिज को लेकर ट्रैफिक डायवर्सन दूसरे चरण में 28 अप्रैल तक लिया गया है। पिछले दिनों केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के सेकेट्री अनुराग जैन ने मेट्रो के कार्यों को बारीकी से समझा और कई सुझाव दिए। इसके बाद ही चल रहे निर्माण कार्यों के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ा दी गई। इस काम में देरी होने पर ट्रैफिक डायवर्सन 28 अप्रैल से आगे बढ़ाया जा सकता है। यह सूचना मिलने पर भोपाल मेट्रो कंपनी ने ठेकेदार को आदेश दिया है कि श्रमिकों की संख्या को बढ़ाकर काम जल्दी से निपटाया जाए।

इस संबंध में लगातार अधिकारी निगाह रखे हुए हैं। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार ठेकेदार स्वयं ही ट्रैफिक डायवर्सन की प्लानिंग पुलिस को भेजते हैं। इसकी जानकारी उन्हें दी जाती है, लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। अधिकारियों के अनुसार यह काम पूरा होने के बाद एम्स तक ट्रायल रन करना है। इसलिए कंपनी प्रयास कर रही है कि अभी पांच ट्रेनों से ही एम्स तक ट्रायल किया जाए। अभी दूसरी ट्रेन भी नहीं बुला रहे हैं, क्योंकि यहां सिर्फ रखने के लिए ट्रेन नहीं मंगाना है। इंदौर में काफी जगह है और वहां लगभग काम पूरे हो गए हैं। इसलिए ट्रेनों की संख्या को बढ़ाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार स्टील ब्रिज के लिए पिलर के ऊपर पूरी व्यवस्था हो गई है। गर्डर रखने के साथ ही अन्य सिविल वर्क पूरे हो गए हैं।